प्रेषक,

राजीव गुप्ता प्रमुख सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में

 मण्डलायुक्त, कुमायू एवं पौडी,

2 - रागस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।

सामान्य प्रशासन विभागः

देहरादूनः दिनांकः २३ जून, 2005

विषयः राज्य का सहायक पूर्वताधिपत्र (सब्सिडियरी वारेन्ट ऑफ प्रिसीडेन्ट्स) के संबंध में।

महोदय.

उत्तरांवल राज्य में राज्य का सहायक पूर्वताधिपत्र पूथक से जारी न होने के कारण सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तरांवल शासन के पत्र संख्याः 73/सा0प्र0/2003 दिनांक 31 जनवरीं, 2003 द्वारा उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या—5333/तीन—72(1)—73 सा0प्र0अनु0 दिनांक 30 सितम्बर, 1978 द्वारा जारी सहायक पूर्वताधिपत्र की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गयी थी।

शासन के संझान में यह तथ्य लाया गया है कि कतिपय अवसरों पर पूर्वताधिपत्र में वर्णित कोटिक्रम के अनुरूप विशिष्ट व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था नहीं की जाती। इस संबंध में सचिव, लोकायुक्त द्वारा भी शासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए अनुरोध किया गया है कि मांठ लोकायुक्त के लिए पूर्वताधिपत्र के अनुरूप बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

अतः उत्तर 'प्रदेश शासन के पत्र संख्याः 5333/तीन-72(1)-73 सा0प्र0अनु0 दिनांक 30 सितम्बर, 1978 द्वारा जारी राज्य का सहायक पूर्वताधिपत्र (राब्सिडियरी वारेन्ट ऑफ प्रिसीडेन्ट्स) की प्रति पुनः संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया राजकीय समारोहों आदि में पूर्वताधिपत्र में उत्तिखित कोटिकम के अनुरूप ही विशिष्ट व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

. कृपया इन आदेशों का कडाई से अनुपालन किया जाना सुनिश्वित किया जाय।

संलग्न- यथोक्त

संख्याः 409 (1) /XXXI(13)/G/2005 तददिनांक

प्रतिलिपिः निग्नांकित को सृहानार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

 सगस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन को उपरोक्तानुसार कार्यवाही हेतु प्रेषित

2- सचिव, लोकायुक्त, उत्तरांचल, देहरादून को उनके पत्र दिनांक 03 मई,2005 के संदर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

3- स्टाफ आफिसर- मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।

4- स्टाफ आफिसर- अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।

5- निदेशक, एन० आई० सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।

6- गार्ड फाईल

संलग्न- यथोक्त

-धेनक,

यन्द्र हास सिड्ड, संयुक्त गवित, - सार प्रदेश सासन,

nar il,

समस्त जिलाधिकारी, उत्तर प्रदेश ।

मधनक दिनरेक, ३० सितम्बर 1978 ।

िवय:--राज्य का ग्रहाय र पूर्वश्राधिकत (संदिवस्थिती वारेज्य साम विश्वीतेन्त्र)

गहीदय,

स्रामान्य स्रम्यसम् सन्दर्भम भारोक्त विषय पर गुसे इस राज्य का सहायक पूर्वतासियत धापको पूचनार्थ एवं साथ दर्शन हेतु संतक्त करने का निवेश हुआ हैं।

2-भूतें यह भी भूषित करता है कि इस पूर्वतािष्यन का कम केवल राजनीय समारोहों के लिये है भीर यह जम सरकार के दिन-प्रति-दिश के कार्य संभावन में साथू वहीं होता है ।

> भवदीय, चन्द्र हास शिह, संयुक्त प्रशिष्ठ ।

स ब्या-5333(1)/सीय-22(1)-70-सर व्य वस्युत, सद्दिकांकः प्रसिक्षिति निज्यक्षिमित को युवसार्थ प्रेषिसः---

4—मितन, भारत शरकार, यह पंतालव, वह दिल्ली क

2-- अमी राजव शायक से के मूक्य सकित ।

3—संघ माशित क्षेत्रों की करका स्विमालनों की (इनका इस पत की बादित की अहर करें) ।

र एस-5332(2) विन-72(1)-73-सा १४ हमनु ०, सङ्दिनोन परिविधि विकासित की भूनवार्य एवं एवं प्रवसंग हेंसु बेदित:---

1-समाम विभागस्यक्ष एवं कार्यास्यक्ष्मस, उत्तर प्रदेश ।

2-मा वय, राज्यवास, उतार क्षेत्र, सक्षतक ।

3-महानेथाकर उत्तर प्रदेश, क्षाहाबाद ।

4--नियन्त्रकः, तज्ब न्यत्यसाय, इसाहावाद ।

(कृषधा इस पस की आधित स्वीकार करें) ।

संस्था-5000 (०) /वीन-72 (१)-70-सा एवं वस प्रदर्शन स्थिति विकासिति विकासिति को भी भूजनार्थ हुवं वस प्रदर्शन हेबु वैवित:—

s--- अगरत परिवर्षों की विश्वी कविष्यों की गंदी महोदन के मुख्याओं ह

2-शक्स राज्य महियाँ के विजी शविषों की दाव्य मंत्री पहोदध के गुचनायें ।

3-मध्यमान्य के समस्त अधिकारी गण ।

4. - al carrer of more factors

(कृतवादम पश्च की प्राप्ति स्दोकार करे)।

धाना थे, चन्द्र द्वारा विद्वि, पंजनत समित्र ।

THEAN	१स्ताम	
(1)	(2)	
4.	राज्यभास	-
(4.,	मुख्य महि	
16,	विशास परिश्वतु के समापति विश्वास सभा के सम्बद्धाः अक्ष्य समायाकम के पुरुष समस्यादियाति	
1 6 - 31	विक व्यापुरव	
17	र किस मेरे महिर्मान -	
17-91	वेता विरामी वस (विधान परिवर्षियान समा)	
19	प्यां) करेन उन रामानारि, निमान निरमर् उनारमक्ष, निमान नगाः राज्य ने राज्य मंद्रा	
20	चण मरहें। शहारहेंद्र — संदर्गे कोच में	
20-47	सरवस, विका परिवाद (धाने होत में) सरवस, सगरपारिका (धाने होत में)	
2.2	संसद समृद्ध	
22-17	विद्यान गरिषद् । एवा विद्यान गमा के सद्यय	
Z 4	पुष्य शरिव	
24-44	ं धारमक्ष, याभरण महिष्यपू	
2.5	विभिन्नेट जनस्य प्रपत्त भवस्य हेना के समकक्ष प्रतिकारी	
26	एउम्बिट जन्दम सोक मेनर माधान के घडमरा	
2.0	सहास, राज्यत परिचर् सहास, लेश्न केंद्रा परिकरण विश्वविद्याण्य के हुवाबि	
39	रावत गरकार के साववत एवं भावत. पिता गारिताराव: प्रवादका, जनते व्यवस्थ मा उनते उन्य सार के राज्य मरकार के विवादास्वत, नारत गरकार के नमक्य निभागरायक्ष सार के प्राच्य मरकार के विवादास्वत, जारत गरकार के नमक्य निभागरायक्ष सार के प्राच्य मानिवारी, जारत गरिवा गाज्य भीत्य के नदस्य, गराम गरायिक गाज्य भीत्य के सम्भाग मुख्य कार्य भिक्षकारी, महानीवाकार, जर र प्रदेश, विवाद जमस्य स्वयंस मानवा सीना के समकार भीववारी।	
18	राजम गरकार के अन्तर विशेष गणित प्रसिरियम पुलिस गहर्सन्दोशाव प्रथम विभागास्त्रम (जो ऊपर फममकार 15 में भरिमस्तित नहीं हैं) भारत गरकार के गणरास विभागाव्यम ()	
31	Facilities () Facilities as we con	
3 -	77 gl en ambreters	
*	पुष्टिम पर्याधकः पुरुष विकित्सा स्रविकासे ।	

 $it\ over\ over\$